



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

25 आश्विन 1936 (श०)

(सं० पटना 859) पटना, शुक्रवार, 17 अक्टूबर 2014

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद

विद्यापति मार्ग, पटना-800001

अधिसूचना

10 सितम्बर 2014

सं० 795— पटना जिलान्तर्गत ग्राम— एरई (एतवारी टोला), सिगरियावाँ पंचायत स्थित प्राचीन महादेव मंदिर पर्षद के तहत निबंधित एक सार्वजनिक हिन्दू धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं०-4251 है।

दनियावाँ प्रखंड के सिगरियावाँ पंचायत के शाहजहांपुर थाना क्षेत्र के ग्राम—एरई (एतवारी टोला), पो०—एरई स्थित प्राचीन महादेव मंदिर के निबंधन हेतु एक आवेदन ग्रामवासियों की ओर से दिनांक 21/03/2013 को पर्षद को प्राप्त हुआ। ग्रामवासियों ने मंदिर के नक्शा की छायाप्रति, खतियान की छायाप्रति एवं मंदिर के वर्तमान स्वरूप का छायाचित्र भी अनुलग्नक के रूप में संलग्न कर आवेदन के साथ दिया। आवेदन पर जिला पार्षद सह सदस्य योजना समिति, पटना की अनुशंसा भी अंकित थी। इसके बाद दिनांक 06/05/2013 को इस न्यास का निबंधन पर्षद में किया गया। श्री रवि कुमार, एरई, एतवारी टोला, पटना ने अपने पत्रांक-06, दिनांक 31/01/2014 के माध्यम से सुचित किया कि ग्राम—एरई एक आम सभा का आयोजन किया गया था एवं आम सभा में न्यास समिति के गठन हेतु सर्वसम्मति से ग्यारह हिन्दू सज्जनों का नाम प्रस्तावित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजा गया। इस आवेदन पर श्रीमती माया देवी जिला पार्षद सह सदस्य योजना समिति, पटना की अनुशंसा भी अंकित थी। पर्षदीय पत्रांक-2236, दिनांक 26/02/2014 के द्वारा थाना प्रभारी, शाहजहांपुर, जिला— पटना को न्यास समिति के लिए प्रस्तावित सदस्यों के चरित्र सत्यापन हेतु पत्र प्रेषित किया गया। पर्षदीय पत्रांक-2236/14, दिनांक 26/02/2014 के अनुपालन में थानाध्यक्ष, शाहजहांपुर, पटना का पत्र ज्ञापांक-428/14, दिनांक 01/07/2014 पर्षद कार्यालय को प्राप्त हुआ, जिसमें लिखा गया कि इन लोगों के विरुद्ध शाहजहांपुर थाना अभिलेख में कोई शिकायत दर्ज नहीं है। उपरोक्त तथ्यों के आलोक में पर्षद के माननीय अध्यक्ष द्वारा दिनांक 13/08/2014 को एक न्यास समिति के गठन का निर्णय लिया गया।

अतः उक्त न्यास के सुचारु प्रबंधन एवं सम्यक विकास के लिए बिहार राज्य धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा-32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण एवं इसके कार्यान्वयन हेतु न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा-32 के अन्तर्गत में धार्मिक न्यास पर्वद को प्रदत्त अधिकार, जो धार्मिक न्यास की उप विधि सं0-43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए **प्राचीन महादेव मंदिर, ग्राम-एरई (एतवारी टोला), पंचायत- सिगरियावाँ, थाना-शाहजहाँपुर, पटना** के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “**प्राचीन महादेव मंदिर न्यास योजना**, ग्राम- एरई (एतवारी टोला), पंचायत- सिगरियावाँ, थाना- शाहजहाँपुर, पटना” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “**प्राचीन महादेव मंदिर न्यास समिति**, ग्राम- एरई (एतवारी टोला), पंचायत- सिगरियावाँ, थाना- शाहजहाँपुर, पटना” जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की संपत्तियों की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ, तीर्थ-यात्री एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।
3. न्यास की समस्त आय, न्यास के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।
4. न्यास की आय-व्यय में, आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगा।
5. न्यास समिति अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के बजट, आय-व्यय की विवरणी, पर्वद शुल्क, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि सम्यक रूप से पर्वद को प्रेषित करेगी।
6. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहुत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्वद को प्रेषित की जायेगी।
7. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझी जाय, तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद के अनुमोदन के लिए भेजेगी।
8. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित/हस्तारित भूमि “यदि कोई हो तो”, उसकी वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।
9. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।
10. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाये जायें या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे, तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी।
11. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

(1) थानाध्यक्ष (शाहजहाँपुर), जिला- पटना	—	पदेन अध्यक्ष
(2) श्री रवि कुमार पिता- श्री योधन महतो	—	सचिव
(3) श्री राजेश कुमार पिता- श्री रामाधीन सिंह	—	कोषाध्यक्ष
(4) श्री मुकेश कुमार पिता- स्व0 भीखारी पंडित	—	सदस्य
(5) श्री शंकर ठाकुर पिता- श्री अरविन्द ठाकुर	—	“
(6) श्री राजेश कुमार ठाकुर पिता- श्री विजेन्द्र ठाकुर	—	“
(7) श्री संतोष कुमार पिता- श्री परमात्मा सिंह	—	“
(8) श्री बलवीर कुमार पिता- श्री विजेन्द्र महतो	—	“
(9) श्री अजीत कुमार पिता- श्री राज कुमार महतो	—	“
(10) श्री प्रभात कुमार पिता- स्व0 अनील कुमार सिंह	—	“
(11) श्री पिन्दु कुमार पिता- श्री सीताराम प्रसाद	—	“
12. उपरोक्त वर्णित न्यास समिति का कार्यकाल, अधिसूचना का गजट प्रकाशन होने की तिथि से अगले 05 वर्षों का होगा, लेकिन एक वर्ष के बाद न्यास समिति के कार्यों की समीक्षा की जायेगी और कार्य संतोषप्रद पाये जाने पर न्यास समिति के विस्तार पर यथोचित निर्णय लिया जा सकेगा।

विश्वासभाजन,
किशोर कुणाल,
अध्यक्ष।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 859-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>